पीडब्ल्यूडी के लक्ष्मीबाईनगर ब्रिज में मोड़ होंगे चौड़े

नई डिजाइन को मंजूरी मिलने के बाद काम शुरू

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में पीडब्ल्यूडी द्वारा 90 डिग्री के लक्ष्मी बाई नगर रेलवे ओवर ब्रिज की डिजाइन बदल दी गई है. अब ब्रिज पर दोनों ओर 90 डिग्री मोड़ को चौड़ा करने का काम शुरू हो गया है। डिजाइन में ब्रिज के मोड़ चौड़ा करके गोलाकार बनाया जाएंगे. ब्रिज के एक तरफ 17.5 मीटर और दूसरी तरफ 15 मीटर मोड़ को चौड़ा किया जाएगा.

इंदौर में पीडब्ल्यूडी द्वारा शहर के एमआर 4 पर लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का ओवर ब्रिज निर्माण कार्य लंबे समय से बंद था. उक्त ब्रिज 90 डिग्री एंगल से निर्माण होने का मामला सामने आने के बाद से काम बंद पड़ा था. इस मामले को नव भारत ने प्रमुखता से उठाया था. इसके बाद पीडब्ल्यूडी ने ब्रिज का निर्माण कार्य रोक दिया था. मौके पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और वरिष्ठ इंजीनियरों ने खबर की पुष्टि की थी. इसके बाद कमेटी बनाकर रिपोर्ट देने और ब्रिज के डिजाइन बदलने का निर्णय किया गया था. इसके बाद भोपाल से रेलवे ओवर ब्रिज के जेड आकर के दोनों तरफ 90 डिग्री एंगल को चौड़ा करके गोलाकार आकर दिया जाएगा. भोपाल से उक्त मंजूरी पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को मिल गई है. अब ब्रिज का काम फिर से चल रहा है. अब लक्ष्मीबाई नगर रेलवे ओवर ब्रिज पोलोग्राउंड तरफ वाले 90 डिग्री मोड़ जो पहले 12 मीटर था, को 17.5 मीटर और लक्ष्मीबाई नगर तरफ के रेलवे स्टेशन वाले औद्योगिक क्षेत्र के मोड़ को 15 मीटर चौड़ा किया जाएगा.

नवभारत ने 25 जून 25 को एमआर 4 पर लक्ष्मीबाई नगर और 4 जुलाई को 90 डिग्री ब्रिज निर्माण की खबर छापी थी. उसमें बताया गया था कि कहां तक ब्रिज के पीलर खड़े हो गए और सिंहस्थ फंड से बनी सड़क पर बिना सोचे समझे पीलर खड़े कर दिए. ब्रिज का निर्माण रियाल कंस्ट्रक्शन कर रही है। करीब 26 करोड़ की लागत से 550 मीटर लंबा ब्रिज बनेगा. इसका निर्माण 2 साल में पूरा करने का समय तय था, मगर 90 डिग्री का मामला खड़ा होने से 1अप्रैल से ब्रिज का काम बंद पड़ा था. अब काम शुरू हो गया है.

गोलाकार शेप देने एक्स्ट्रा पीलर बाहर आया

आज इस मामले में एसडीओ मनोज जैन ने बताया कि ब्रिज के दोनों मोड़ वाले हिस्से की डिजाइन मंजूर होने के काम शुरू कर दिया है. साथ ही मोड़ को गोलाकार शेप देने के लिए एक्स्ट्रा पीलर भी जमीन से बाहर आ गया है. इसके बाद ब्रिज पर दुर्घटना का अंदेशा नहीं रहेगा. साथ यातायात की दृष्टि से वाहनों का आवागमन सुचारू होगा.

आईडीए ने स्नेहधाम बिल्डिंग के टेंडर फिर निकाले

नव भारत न्यूज

इंदौर. करीब एक साल पहले आईडीए द्वारा वृद्धों के लिए सीनियर सिटीजन बिल्डिंग का निर्माण किया था. उक्त बिल्डिंग के संचालन एवं संधारण के लिए आईडीए ने दोबारा टेंडर निकाला है. इस बार शर्तों में बदलाव किया है और राशि भी कम की गई है. खास बात यह है कि उक्त बिल्डिंग के संचालन एवं संधारण का ठेका बालाजी होटल्स रतलाम को दिया गया था, लेकिन आईडीए ने सिक्युरिटी राशि जमा नहीं करने पर टेंडर निरस्त कर दिया.

आईडीए ने योजना 134 में 26 करोड़ की लागत से एक साल पहले वृद्ध जन के लिए सीनियर सिटीजन बिल्डिंग बनाई थी. उक्त बिल्डिंग का नाम बना स्नेह धाम रखा था. 32 फ्लैट वाली छह मंजिला भवन बिल्डिंग में 10 सिंगल बेडरुम तथा 22 दो बेडरूम के सर्व सुविधायुक्त फ्लैट बनाए थे. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 25 जून 25 को स्नेह धाम भवन का लोकार्पण किया था. स्नेह धाम को 10 साल की लीज पर दिया गया था. शर्त के मुताबिक रतलाम की बालाजी होटल प्रा लि को हर माह आईडीए 3.51 लाख और 2 करोड़ रुपए सिक्योरिटी डिपाजिट जमा करना था. ऐसा बताया जा रहा है कि आईडीए ने कंपनी को भवन का कब्जा भी सौंप दिया था, लेकिन टेंडर में भाग लेने के लिए डाली गई राशि के अलावा कंपनी ने आईडीए को भुगतान नहीं किया. साथ ही लीज पर लेने वाली बालाजी होटल्स प्रा.लि. कंपनी ने सेक्युरिटी डिपाजिट की राशि भी जमा नहीं कराई थी. आईडीए ने रतलाम की बालाजी होटल प्रा. लिमिटेड का ठेका निरस्त कर दिया. ध्यान देने वाली बात यह है कि आईडीए द्वारा निर्मित उक्त स्नेह धाम बिल्डिंग में बमुश्किल एक या दो ही वृद्ध जन रहने आए थे, लेकिन वह भी चले गए. छह माह से ज्यादा समय से आईडीए की उक्त स्नेह धाम बिल्डिंग धूल खा रही है और उसके रखरखाव पर आईडीए के लाखों रुपए खर्च हो चुके है.

1.5 लाख रुपए प्रतिमाह न्यूनतम दर रखी

अब आईडीए ने दोबारा टेंडर निकाला है. टेंडर में 1.5 लाख रुपए प्रति माह न्यूनतम दर रखी है. साथ ही हर माह होने वाले लाभ का 5 प्रतिशत से ज्यादा राशि का भुगतान करेगा. उक्त स्नेह धाम बिल्डिंग 10 साल के लिए लीज पर दी जाएगी. खास बात यह है कि टेंडर में जिसका 2 करोड़ रुपए सालाना टर्न ओवर होगा, वही 1 लाख 80 हजार की अर्नेस्ट मनी जमा करके भाग ले सकता है.

संभागायुक्त ने आईडीए के विकास कार्यों का किया निरीक्षण

समयसीमा में काम पूरा करने के लिए संसाधन बढ़ाने पर दिया जोर

नव भारत न्यूज

इंदौर. गुरुवार को नवागत संभागायुक्त ने आईडीए के विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने समय सीमा में काम पूरा करने के लिए संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए.

संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने आज लवकुश चौराहा स्थित निर्माणाधीन डबल लेयर फ्लाईओव्हर ब्रिज की दूसरी भुजा, एमआर-10 स्थित रेलवे ओव्हर ब्रिज और आईएसबीटी का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने ब्रिज निर्माण एजेंसी के अधिकारियों और इंजीनियर्स से निर्माण कार्य की जानकारी ली. साथ ही उन्होंने एमआर-10 स्थित रेलवे ब्रिज की ड्राईंग और प्रोजेक्ट रिपोर्ट देखी. उन्होंने आईएसबीटी की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया.

उन्होंने कहा कि लवकुश चौराहा स्थित डबल डेकर फ्लाई ओवर ब्रिज की दूसरी भुजा का कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए. निर्माण कार्य में जरूरत होने पर संसाधन बढ़ाने के अधिकारियों को निर्देश दिए.

संभागायुक्त लक्षकार ने सर्व सुविधायुक्त टंट्या मामा भील अंतरराज्यीय बस ट्रमिनल का भी अवलोकन किया. इस दौरान आईडीए सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े सहित आईडीए के अधिकारी मौजूद थे.

शहर में साढ़े पांच लाख लोगों ने सेग्रीगेशन सेल्फी ली

- लंदन वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ कीर्तिमान
- सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को मिली ऐतिहासिक सफलता

नव भारत न्यूज

इंदौर. देश की स्वच्छता राजधानी इंदौर ने आज फिर लंदन की वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवा लिया है. शहर की करीब साढ़े पांच लाख जनता ने सेग्रीगेशन वाली सेल्फी लेकर उक्त रिकॉर्ड कायम किया है.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत इंदौर की 5,46,724 आज जनता ने 6 प्रकार से अलग किए गए कचरे के साथ 'सेग्रीगेशन वाली सेल्फी' लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है. नगर निगम के उक्त अभियान को लंदन वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उपलब्धि के तौर पर दर्ज किया है. आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि यह विश्व रिकॉर्ड इंदौर की वर्षों से विकसित स्वच्छता संस्कृति, अनुशासन और जनभागीदारी का परिणाम है। कचरा सेग्रीगेशन स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर की आधारशिला है.

प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी : महापौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उक्त ऐतिहासिक उपलब्धि पर शहर वासियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है. इंदौर के नागरिकों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि जब पूरा शहर एक लक्ष्य के लिए संकल्पित होता है तो विश्व रिकॉर्ड भी छोटे पड़ जाते हैं. उन्होंने सभी नागरिकों, सफाई मित्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यार्थियों, व्यापारी संगठनों एवं अभियान से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया.

एक नजर में

सिंधु परिषद् का पारवारिक सम्मेलन

इंदौर सिंधु परिषद् का पारवारिक सम्मेलन सिटीजिम खाना क्लब में मनाया गया जिसमें कई सदस्यों ने परिवार के साथ भाग लिया. कार्यक्रम का आरम्भ अध्यक्ष नन्दलाल खतूरिया द्वारा किया गया उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों का अभिनन्दन किया. उन्होंने बताया की सिंधु परिषद् ने काम पड़े लिखे सिंधी युवक व् युवतिओं के मैरिज ब्यूरो में रजिस्टर करना आरम्भ कर दिया है. शीघ्र ही महिलाओं के स्तन कैंसर की जाँच का शिविर लगाया जावेगा. इस अवसर पर दो सिंधी विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग कॉलेज की फीस हेतु रु. 10,000 दिए गए, उन्हें यहाँ राशि सहयोगी संस्था सिंधु महाजोत सकल सेवा संस्था के चेयरमैन मनोहर नागपाल, मनोहर देव, अनिल फतेहचन्दनी व् गुरबक्ष चुघ द्वारा चेक देकर प्रदान की गई. इस अवसर पर मनोहर देव, मनोहर नागपाल, निर्मला शर्मा, डा राजेंद्र पंजाबी ने अपने सुझाव दिए. इसके बाद श्री पीताम्बर वाधवानी व् निशांत दवनी द्वारा तम्बोला गेम खिलाया गया. कार्यक्रम के सयोंजक व संरक्षक मनोहर नागपाल थे. आभार अशोक कुकरेजा ने माना.

टीसीआई ने वित्तीय परिणामों में मजबूत वृद्धि की घोषणा की

इंदौर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने 30 जून, 2026 को समाप्त पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की. परिणामों के अनुसार कंपनी का समेकित राजस्व 12,548 मिलियन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 11,506 मिलियन की तुलना में 9.1% की वृद्धि दर्शाता है. ब्याज, कर, मूल्यह्रास एवं परिशोधन से पूर्व आय 1,599 मिलियन रही, जो क्यू 1 वित्त वर्ष 2026 के 1,520 मिलियन की तुलना में 5.2% अधिक है. कर पश्चात लाभ 0.6% घटकर 1,066 मिलियन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,072 मिलियन था. ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विनीत अग्रवाल ने कहा कि टीसीआई ने पहली तिमाही में स्थिर प्रदर्शन किया है और कंपनी का रेवेन्यू व मुनाफ़ा उम्मीदों के मुताबिक रहा है. ऑटोमोटिव, कंज्यूमर गुड्स और क्विक-कॉमर्स से जुड़े फुलफिलमेंट में अच्छी बढ़त बनी रही. केमिकल, टाइल्स और पैकेजिंग जैसे कुछ सेक्टर पर युद्ध का असर साफ दिखा. हालांकि, हमारे अलग-अलग तरह के मल्टीमॉडल ऑपरेटिंग मॉडल और पूरे देश में फैले ब्रांच नेटवर्क की वजह से हम इस तिमाही में भी कामकाज में स्थिरता बनाए रखने में कामयाब रहे.

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक टॉप 10 कंपनियों में शामिल

इंदौर. भारत के प्रमुख स्मॉल फाइनेंस बैंकों में से एक, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (उज्जीवन एसबीएफ) ने घोषणा की है कि उसने काम करने के लिए भारत की 100 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की 2026 (इंडियाज़ बेस्ट कंपनीज़ टू वर्क फॉर 2026) की सूची में 8वाँ स्थान हासिल किया है. यह उपलब्धि बैंक की पिछली रैंकिंग से एक बड़ी छलांग है और देश में काम करने के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक के तौर पर इसकी स्थिति को और मजबूत करती है. इस उपलब्धि के अलावा, उज्जीवन एसएफबी को बीएफएसआई 2026 में भारत के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की टॉप 25 और स्वास्थ्य और कल्याण 2026 में भारत के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की टॉप 10 सूची में भी शामिल किया गया है. उज्जीवन एसएफबी में ह्यूमन रिसोर्स की हेड सुश्री चंद्रलेखा चौधरी ने कहा काम करने के लिए भारत की सबसे अच्छी कंपनियों में शामिल होना हमारे लिए बहुत विशेष है, क्योंकि यह पहचान कर्मचारियों के फीडबैक और अनुभवों के आधार पर मिली है. यह रैंकिंग प्रदर्शित करती है कि हमारे लोग कंपनी पर कितना भरोसा करते हैं और हमारे कल्चर के बारे में उनकी ईमानदार राय क्या है. यही वजह है कि इसे वर्कप्लेस पर बेहतरीन कामकाज का सबसे भरोसेमंद पैमाना माना जाता है.

तारक मेहता के 18 वर्ष पूरे होने का मनाया जश्न

इंदौर भारतीय टेलीविजन का सबसे लंबे समय तक प्रसारित होने वाला सिटकॉम और देश के सबसे लोकप्रिय पारिवारिक मनोरंजन कार्यक्रमों में से एक तारक मेहता का उल्टा चश्मा 18 गौरवशाली वर्ष पूरे कर रहा है. इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए सोनी सब और नीला फिल्म प्रोडक्शंस ने 18 दिनों के विशेष उत्सव की घोषणा की है. इस दौरान दर्शकों को शो से और करीब लाने के लिए कई विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें प्रशंसकों के लिए खास अनुभव, देशव्यापी फैमिली कॉन्टेस्ट और विशेष संस्करण (स्पेशल एडिशन) मर्चेंडाइज़ शामिल हैं. 18वीं वर्षगांठ समारोह के अंतर्गत 28 जुलाई को जन्मदिन मनाने वाले 40 प्रशंसकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा. अजय भालवणकर, चीफ कंटेंट ऑफिसर, सोनी सब ने कहा सोनी सब में हमारा हमेशा से यह विश्वास रहा है कि अच्छी कहानियां परिवारों को एक साथ जोड़ने की ताकत रखती हैं और तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने पिछले 18 वर्षों से इस विश्वास को पूरी तरह सार्थक किया है. असित कुमार मोदी, संस्थापक, नीला फिल्म प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड ने कहा 18 वर्ष पूरे करना हम सभी के लिए बेहद भावुक और गर्व का क्षण है. जो प्यार और अपनापन हमें दर्शकों से मिला, वह हमारी कल्पना से कहीं अधिक था. करोड़ों दर्शकों के स्नेह ने इस शो को भारतीय परिवारों के दैनिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बना दिया है.

शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल का मेस फिर शुरू, पानी की जांच में मिली क्लीन चिट

बंद अवधि का शुल्क नहीं लिया जाएगा

नवभारत न्यूज़

इंदौर. विद्यार्थियों के अस्वस्थ होने की घटना के बाद बंद कराया गया शिशु कुंज इंटरनेशनल स्कूल का मेस (भोजन कक्ष) सभी आवश्यक सुधार पूरे होने और पेयजल की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने के बाद जिला प्रशासन ने सशर्त दोबारा शुरू करने की अनुमति दे दी है. साथ ही स्कूल प्रबंधन ने मेस बंद रहने की अवधि का भोजन शुल्क विद्यार्थियों से नहीं लेने का निर्णय भी लिया है.

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की प्रारंभिक जांच में भोजन निर्माण में उपयोग किए जा रहे पानी में ई.कोलाई और कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिलने की आशंका के बाद मेस का संचालन तत्काल रोक दिया गया था. इसके बाद स्कूल को सुधार सूचना जारी कर सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए. कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी, चिकित्सक और पालक-शिक्षक संघ प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम ने स्कूल में किए गए सुधारों का भौतिक सत्यापन किया. वहीं, एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से दोबारा कराए गए जल परीक्षण में पेयजल पूरी तरह सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया गया. 30 जुलाई को हुए अंतिम निरीक्षण में सभी सुधार संतोषजनक मिलने पर प्रशासन ने मेस को सशर्त पुन: प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की. स्कूल प्रबंधन को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन, नियमित जल परीक्षण, फूड हैंडलर्स की स्वास्थ्य जांच, पेस्ट कंट्रोल और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं.

नियमित निरीक्षण जारी रहेगा

कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. स्कूलों और छात्रावासों के भोजन कक्षों का नियमित निरीक्षण जारी रहेगा तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी.

सिंहस्थ-2028 से पहले इंदौर की रेल रफ्तार बढ़ाने तैयारी

- रेल मंत्री से मिले सांसद लालवानी
- इंदौर की रेल अधोसंरचना मजबूत करने पर केंद्र का फोकस

नवभारत न्यूज़

इंदौर. आगामी सिंहस्थ-2028 को देखते हुए इंदौर की रेल अधोसंरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की. बैठक में इंदौर और आसपास के रेलवे स्टेशनों के विस्तार, लंबित परियोजनाओं में तेजी, नई ट्रेनों के संचालन तथा अतिरिक्त फेरों को नियमित करने सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई.

सांसद ने रेल मंत्री को बताया कि सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए इंदौर, जो आयोजन का प्रमुख प्रवेश द्वार है, वहां की रेल सुविधाओं का समय रहते विस्तार आवश्यक है. उन्होंने इंदौर और लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के साथ राऊ, सैफीनगर, राजेंद्र नगर और चंद्रावतीगंज स्टेशनों के उन्नयन, प्लेटफॉर्म क्षमता बढ़ाने तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार का आग्रह किया. बैठक में इंदौर-खंडवा और इंदौर-दाहोद रेल परियोजनाओं को गति देने, इंदौर से नई ट्रेनों के संचालन तथा अतिरिक्त फेरों को स्थायी रूप से नियमित करने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रस्तावों की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखकर इंदौर और मालवा क्षेत्र की रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने का भरोसा दिलाया.

ड्रग विभाग द्वारा मेडिकल स्टोर पर छापेमार कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. ड्रग विभाग द्वारा शहर में मेडिकल स्टोर्स की विभिन्न बिंदुओं पर जांच का अभियान चलाया जा रहा है. ड्रग विभाग की जांच में पिछले दो दिनों में 10 मेडिकल स्टोर्स पर खामियां पाई गई. उक्त मामले को लेकर मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी किए गए है.

औषधि नियंत्रक मनोज पुष्प के आदेश एवं कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर जिले में मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ जांच अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में शहर के विभिन्न हिस्सों में औषधि निरीक्षकों द्वारा मेडिकल स्टोर्स की औचक जांच की गई. निरीक्षण के दौरान ड्रग लाइसेंस, फार्मासिस्ट केजे मौजूदगी में दवाओं का विक्रय, क्रय-विक्रय रिकॉर्ड, गर्भपात की दवाइयों और नारकोटिक्स मेडिसिन के विक्रय से संबंधित दस्तावेज की जांच की गई. ड्रग विभाग के अमले ने 11 मेडिकल स्टोर की जांच की, जिसमे से 4 मेडिकल स्टोर पर कमियां पाई गई. साथ ही पिछले दिनों ड्रग विभाग के अमले द्वारा 13 मेडिकल स्टोर की गहन जांच की गई थी ,जिसमें से 6 मेडिकल स्टोर में कमी पाई गई है. मेडिकल स्टोर्स पर अनियमितताओं और लापरवाही के तहत संबंधित मेडिकल संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए है. साथ ही निर्धारित समय-सीमा में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी.

युवाओं को उद्यमी बनने के लिए किया प्रेरित

नवभारत न्यूज़

इंदौर. शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'सेल्फ एम्प्लॉयमेंट एंड माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट' विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई. विशेषज्ञों ने युवाओं से नौकरी के बजाय स्वरोजगार और स्टार्टअप को करियर का बेहतर विकल्प अपनाकर रोजगार सृजक बनने का आह्वान किया.

प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उद्यमिता की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि मुख्य अतिथि डॉ. किरणबाला सालूजा ने नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप युवाओं को नवाचार और उद्यमिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया. कार्यशाला में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक स्वप्निल गर्ग, बैंक ऑफ इंडिया के एलडीएम आशीष कटियार, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष राजेश मिश्रा सहित विशेषज्ञों ने स्टार्टअप, व्यवसाय योजना, बैंक ऋण, सरकारी योजनाओं, वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल मार्केटिंग पर मार्गदर्शन दिया. कार्यक्रम में प्रस्तुत तीन स्टार्टअप प्रपोजल चयनित किए गए, जिन्हें आगे मेंटरशिप और व्यवसाय स्थापना में सहयोग देने का आश्वासन दिया गया. कार्यशाला में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए.

एक नजर में – संरक्षण का भी लिया संकल्प

गुरु पूर्णिमा पर देवगुराड़िया पहाड़ी पर एक हजार पौधे रोपे

नवभारत न्यूज़

इंदौर. गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ग्रीन आर्मी ने वन विभाग के सहयोग से देवगुराड़िया पहाड़ी पर एक हजार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. अभियान की विशेषता यह रही कि प्रत्येक पौधे के लिए स्थायी जल व्यवस्था की गई है तथा स्वयंसेवियों ने पौधों के वृक्ष बनने तक नियमित सिंचाई, निंदाई-गुड़ाई और देखभाल का संकल्प लिया.

कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना, वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन से हुई. पर्यावरण प्रेमियों ने अपने गुरुजनों, माता-पिता और परिजनों के नाम पर पौधे लगाए. मुख्य अतिथि पूर्व संभागायुक्त डॉ. अशोक कुमार भार्गव ने कहा, अब मौसम भी बेघर होने लगे हैं. वृक्षारोपण भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है. मुख्य वन संरक्षक पी.एन. मिश्रा और वनमंडलाधिकारी लाल सुधाकर सिंह ने विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वन एवं जैव विविधता संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकाधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया.

स्वयंसेवी नियमित देखभाल करेंगे

ग्रीन आर्मी के समरजीत सिंह जाधवराव ने बताया कि जनसहयोग से पौधों के संरक्षण की स्थायी व्यवस्था बनाई गई है और स्वयंसेवी अगले एक वर्ष तक उनकी नियमित देखभाल करेंगे. अभियान में विभिन्न सामाजिक संगठनों और इंदौर, देवास व महू के स्वयंसेवियों की सक्रिय भागीदारी रही.

स्पिनी ने बनाया संगठित प्री-ओन्ड कार इकोसिस्टम

इंदौर. कई वर्षों तक भारत में पुरानी कार खरीदना अनिश्चितताओं से भरा हुआ था. अलग-अलग डीलरों के यहाँ कीमतें अलग होती थीं, वाहनों की वास्तविक स्थिति की पुष्टि करना मुश्किल होता था. साल 2015 में तीन उद्यमियों- नीरज सिंह, राजू मिर्धा और मोहित गुप्ता- ने इस समस्या में एक अवसर देखा और प्री-ओन्ड कंपनी स्पिनी की स्थापना की. उनका मानना था कि प्री-ओन्ड कार उद्योग को केवल एक और मार्केटप्लेस की नहीं, बल्कि अधिक संगठित और भरोसेमंद बिजनेस मॉडल की आवश्यकता है. उस समय यह श्रेणी मुख्य रूप से स्थानीय डीलरों और ऑनलाइन क्लासिफाइड प्लेटफ़ॉर्म्स द्वारा संचालित थी, जो खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ने तक सीमित थे. आज, स्थापना के लगभग एक दशक बाद, कंपनी भारत के प्री-ओन्ड कार सेगमेंट के प्रमुख संगठित खिलाड़ियों में से एक बन चुकी है. वर्तमान में यह हर महीने 10,000 से अधिक कारें बेचती है और 76 शहरों तक विस्तार कर चुकी है, जिनमें कई टियर-2 और टियर-3 शहर भी शामिल हैं. देशभर में 57 से अधिक कार हब इसके संचालन को समर्थन देते हैं. भारत का प्री-ओन्ड कार बाज़ार अब एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहाँ बढ़ती डिजिटल स्वीकार्यता, बढ़ती आकांक्षाएँ और संगठित रिटेल मॉडल्स की स्वीकार्यता इस बदलाव को गति दे रही हैं. जो श्रेणी कभी काफी बिखरी हुई मानी जाती थी, वह अब धीरे-धीरे प्रक्रिया-आधारित और पारदर्शी बन रही है.